मध्य प्रदेश में फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के अनुसार, **मध्य और उत्तर भारत** का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट, जो **90 मेगावाट** ऊर्जा उत्पन्न करता है, **मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर** में चालू हो गया है।

मुख्य बिंदु

- इस परियोजना का क्रियान्वयन **SJVN ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (SGEL)** द्वारा किया जा रहा है। यह भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत एक **मिनी रत्न श्रेणी 'A'** केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (CPSU) है।
- **ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट:**
  - **मध्य प्रदेश के खंडवा** में नर्मदा नदी पर ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर पार्क में स्थित है।
  - इस परियोजना का उद्देश्य कार्बन उत्सर्जन में **2.3 लाख टन CO2** की उल्लेखनीय **कमी** लाना है, जो **वर्ष 2070 तक** शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के भारत के लक्ष्य का समर्थन करता है।
  - यह जल वाष्पीकरण को कम करके जल संरक्षण में भी सहायता करेगा।

नर्मदा नदी

//

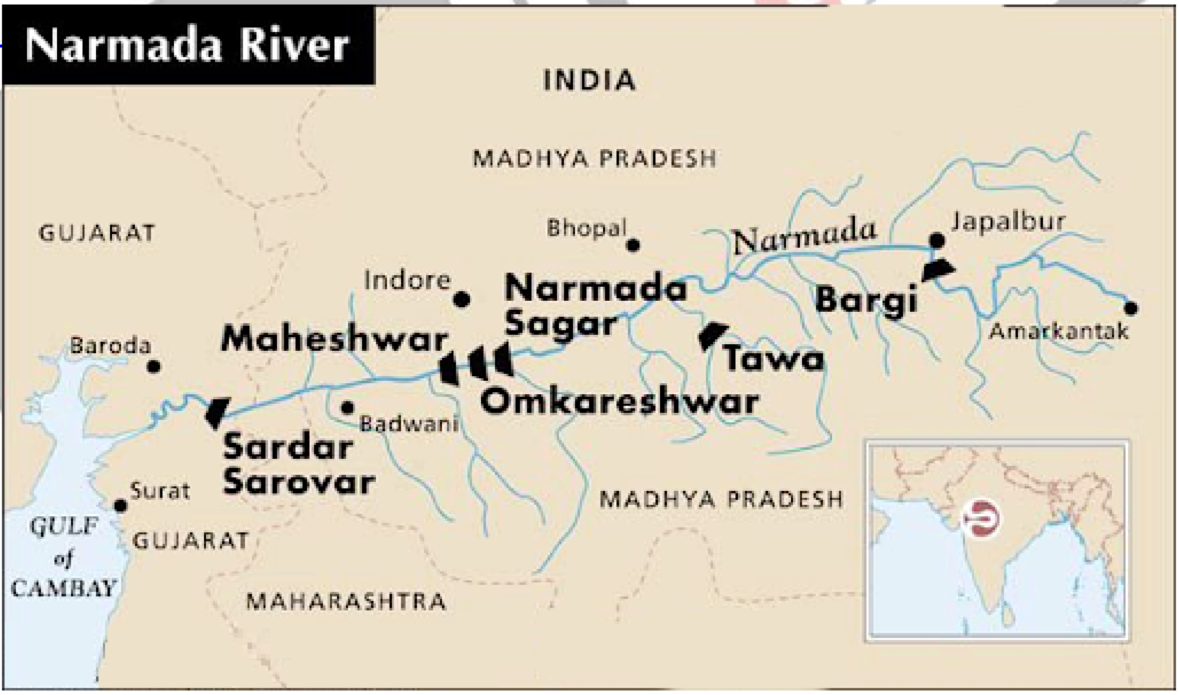
Narmada River
INDIA
MADHYA PRADESH
GUJARAT
Bhopal
Narmada
Japalbur
Indore
Narmada Sagar
Bargi
Baroda
Maheshwar
Tawa
Amarkantak
Omkareshwar
Badwani
Sardar Sarovar
Surat
GULF of CAMBAY
GUJARAT
MADHYA PRADESH
MAHARASHTRA

- **परिचय:**
  - नर्मदा नदी (जिसे रीवा के नाम से भी जाना जाता है) उत्तर और दक्षिण भारत के बीच एक पारंपरिक सीमा के रूप में कार्य करती है।
  - यह **मैकाल पर्वत** की अमरकंटक चोटी से अपने उद्गम स्थल से 1,312 किमी. पश्चिम में है। यह खंभात की खाड़ी में बहती है।
  - यह महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों के कुछ क्षेत्रों के अलावा मध्य प्रदेश के एक बड़े क्षेत्र में बहती है।
  - **यह प्रायद्वीपीय क्षेत्र की पश्चिम की ओर बहने वाली नदी है** जो उत्तर में विंध्य पर्वतमाला और दक्षिण में सतपुड़ा पर्वतमाला के

बीच एक दरार घाटी से होकर बहती है।

- **सहायक नदियाँ:**
    - **दाहिनी ओर से प्रमुख सहायक नदियाँ** हैं- हिरन, तेंदोरी, बरना, कोलार, मान, उरी, हटनी और ओरसांग।
    - **प्रमुख बाईं सहायक नदियाँ** हैं- बर्नर, बंजार, शेर, शक्कर, दूधी, तवा, गंजाल, छोटा तवा, कुंडी, गोई और करजन।
- **बाँध:**
    - नदी पर बने प्रमुख बाँधों में **ओंकारेश्वर और महेश्वर बाँध** शामिल हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/floating-solar-project-in-madhya-pradesh

दृष्टि The Vision